

‘टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार’ विषय पर हिन्दी कार्यशाला (24 सितम्बर, 2024)

हिन्दी पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त सहायकों एवं लिपिकों हेतु ‘टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार’ विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के विषय-विशेषज्ञ एवं पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागियों को राजभाषा के नियमों, कार्यालयीन कामकाज में प्रयोग की जाने वाली शब्दावली, पत्रों के विभिन्न प्रकार, नोटशीट तैयार करने जैसे कार्यालयीन कामकाज में उपयोगी प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की। अपने वक्तव्य में उन्होंने बताया कि किसी भी प्रस्ताव पर निर्णय इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसे संबंधित सहायक एवं लिपिक द्वारा विश्वविद्यालय हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित प्रकरण को नियमानुसार नोटशीट पर किस रूप में प्रस्तुत किया गया है। अपने वक्तव्य को रोचक एवं संवादात्मक बनाते हुए उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का दैनन्दिन कार्यालयीन कामकाज से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से निराकरण किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई।

कार्यशाला में शुभम साहू, अनस खान, अमन जैन, निशांत सोनी, आदित्य बरमैया, अमित कनौजिया, ब्रजेश साहू, श्रीमती मंजु जैन, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, अभिनव अग्निहोत्री, सचिन पटवा, अंकित जैन, प्रभांशु तिवारी, आकाश दुबे, प्रवीण साहू, ओम सैनी, आदित्य तिवारी, आयुष सोनी एवं साकेत दुबे सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया विशेष सहयोग विनोद रजक एवं सूचना वैज्ञानिक दयानंदप्पा कोरी का रहा। कार्यशाला के प्रतिभागिता प्रमाण-पत्रों का वितरण 25 सितम्बर, 2024 को रंगनाथन भवन, केन्द्रीय पुस्तकालय में आयोजित 'पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह' में किया गया।

**हम भारतीय सभी भाषाओं का करते सम्मान,
पर हिंदी ही है हमारी पहचान**

**NAAC**
Accredited University

**हिन्दी पखवाड़ा**
14-25 सितम्बर, 2024

**संरक्षक**
मा. प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलगुरु
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

 24 सितम्बर 2024 |  पूर्वाह्न 11.30 बजे
रंगनाथन भवन, जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय

हिन्दी दिवस समारोह - 2024
कार्यशाला
टिप्पण, प्रारूपण एवं
कार्यालयीन पत्राचार
विश्वविद्यालय के समस्त निम्न श्रेणी लिपिकों हेतु
कार्यशाला समन्वयक
संतोष सोहनौरा
राजभाषा अधिकारी (प्र.) एवं
संयुक्त कुलसचिव
राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(हिन्दी विश्वविद्यालय)



कार्यक्रम

कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी की गई आयोजित, 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक ने लिया भाग

विवि में हिन्दी पखवाड़ा के तहत कार्यालयीन टीप एवं पत्र लेखन विषय पर कार्यशाला संपन्न

● सागर/अरुण

विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त सहयोगी एवं लिपिकों के लिए टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई।

विस्तार से चर्चा की

कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ एवं पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौर ने प्रतिभागियों को राजभाषा के नियमों, कार्यालयीन कामकाज में प्रयोग की जाने वाली शब्दावली, पत्रों के विभिन्न प्रकार, नोटशीट तैयार करने जैसे कार्यालयीन कामकाज में उपयोगी प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की। अपने



वक्तव्य में उन्होंने बताया कि किसी भी प्रस्ताव पर निर्णय इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसे संबंधित सहायक एवं लिपिक द्वारा विश्वविद्यालय हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित प्रकरण को नियमानुसार नोटशीट पर किस रूप में प्रस्तुत किया गया है। अपने वक्तव्य को रोचक एवं संवादात्मक बनाते हुए उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का दैनंदिन कार्यालयीन कामकाज से जुड़े

उदाहरणों के माध्यम से निराकरण किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। कार्यशाला में शुभम साहू, अनस खान, अमन जैन, निशांत सोनी, आदित्य बरमेया, अमित कर्नोजिया, ब्रजेश साहू, मंजु जैन, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, अभिनव अग्निहोत्री, सचिन पटवा, अंकित जैन, प्रभाशु तिवारी, आकाश दुबे, प्रवीण साहू, ओम सैनी, आदित्य

तिवारी, आयुष सोनी एवं संकेत दुबे सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया विशेष सहयोग विनोद रजक एवं सूचना वैज्ञानिक दयानंदपूया कोरी का रहा।

कार्यशाला के प्रतिभागीता प्रमाण पत्र का वितरण तथा हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा 25 सितम्बर को अपराह्न 01.45 बजे से रंगनाथन भवन, केंद्रीय पुस्तकालय में आयोजित पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह में की जायेगी जिसमें विजयी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की कुलपति एवं मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जायेगा। सम्मान समारोह में विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों को आमंत्रित किया गया है।

निर्णय इस बात पर निर्भर कि प्रस्ताव किस रूप में पेश किया गया: सोहगौर



सागर | डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा-2024 के तहत विश्वविद्यालय के सहायकों एवं लिपिकों के लिए टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार विषय पर हिन्दी कार्यशाला की गई। कार्यशाला के विषय-विशेषज्ञ एवं पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौर ने प्रतिभागियों को राजभाषा के नियमों, कार्यालयीन कामकाज में प्रयोग की जाने वाली शब्दावली, पत्रों के विभिन्न प्रकार, नोटशीट तैयार करने जैसे कार्यालयीन कामकाज में उपयोगी प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रस्ताव पर निर्णय इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसे संबंधित सहायक एवं लिपिक द्वारा विश्वविद्यालय हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित

प्रकरण को नियमानुसार नोटशीट पर किस रूप में प्रस्तुत किया गया है। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी की गई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के प्रतिभागीता प्रमाण-पत्र का वितरण तथा हिन्दी पखवाड़ा के तहत हुई प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा बुधवार को दोपहर 1.45 बजे से रंगनाथन भवन, केंद्रीय पुस्तकालय में पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह में की जाएगी। विजयी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की कुलपति एवं मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी। मुख्य अतिथि शिक्षाविद एवं समाजसेवी शोभा पैठणकर होंगी।

25/09/2024

26/09/2024

आयोजन

विश्वविद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति में लिपिक

संवर्गीय कर्मचारियों का योगदान भी अहम: सोहगौर

सागर, आचरण संवाददाता।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त सहयोगी एवं लिपिकों हेतु 'टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार' विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के विषय-विशेषज्ञ एवं पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौर ने प्रतिभागियों को राजभाषा के नियमों, कार्यालयीन कामकाज में प्रयोग की जाने वाली शब्दावली, पत्रों के विभिन्न प्रकार, नोटशीट तैयार करने जैसे कार्यालयीन कामकाज में उपयोगी प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की। अपने वक्तव्य में उन्होंने बताया कि किसी भी प्रस्ताव पर निर्णय इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसे संबंधित सहायक एवं



शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। कार्यशाला में शुभम साहू, अनस खान, अमन जैन, निशांत सोनी, आदित्य बरमेया, अमित कर्नोजिया, ब्रजेश साहू, श्रीमती मंजु जैन, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, अभिनव अग्निहोत्री, सचिन पटवा, अंकित जैन, प्रभाशु तिवारी, आकाश दुबे, प्रवीण साहू, ओम सैनी, आदित्य

तिवारी, आयुष सोनी एवं संकेत दुबे सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया विशेष सहयोग विनोद रजक एवं सूचना वैज्ञानिक दयानंदपूया कोरी का रहा। कार्यशाला के प्रतिभागीता प्रमाण-पत्र का वितरण तथा हिन्दी पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा 25 सितम्बर, 2024 को अपराह्न 01:45 बजे से रंगनाथन भवन, केंद्रीय पुस्तकालय में आयोजित पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह में की जायेगी जिसमें विजयी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की कुलपति एवं मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जायेगा। राजभाषा अधिकारी ने बताया कि सम्मान समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी तथा मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध शिक्षाविद एवं समाजसेवी सुशी शोभा पैठणकर उपस्थित रहेंगे। सम्मान समारोह में विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों को आमंत्रित किया गया है।

'किसी भी प्रस्ताव के निर्णय में नियमानुसार नोटशीट का महत्व'

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा-2024 के तहत विश्वविद्यालय के सहायकों एवं लिपिकों के लिए टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार विषय पर कार्यशाला हुई। संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौर ने कहा कि किसी भी प्रस्ताव पर निर्णय इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसे संबंधित सहायक एवं लिपिक द्वारा विश्वविद्यालय हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित प्रकरण को नियमानुसार नोटशीट पर किस रूप में प्रस्तुत किया गया है। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। कार्यशाला में शुभम साहू, अनस खान, अमन जैन, निशांत सोनी, आदित्य बरमेया, अमित कर्नोजिया, ब्रजेश साहू, मंजु जैन, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, अभिनव अग्निहोत्री, सचिन पटवा, अंकित जैन, प्रभाशु तिवारी, आकाश दुबे, प्रवीण साहू, ओम सैनी, आदित्य तिवारी, आयुष सोनी एवं संकेत दुबे सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के प्रतिभागीता प्रमाण-पत्र का वितरण तथा हिन्दी पखवाड़ा के तहत हुई प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा बुधवार को दोपहर 1.45 बजे से रंगनाथन भवन, केंद्रीय पुस्तकालय में पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह में की जाएगी। विजयी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की कुलपति एवं मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी। मुख्य अतिथि शिक्षाविद एवं समाजसेवी शोभा पैठणकर होंगी।

25/09/2024

25/09/2024

हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत कार्यालयीन टीप एवं पत्र लेखन विषय पर कार्यशाला संपन्न

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत विवि के समस्त सहायकों एवं लिपिकों हेतु टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ एवं पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक विवि के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागियों को राजभाषा के नियमों, कार्यालयीन कामकाज में प्रयोग की जाने वाली शब्दावली, पत्रों के विभिन्न प्रकार, नोटशीट तैयार करने जैसे कार्यालयीन कामकाज में उपयोगी प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रस्ताव पर निर्णय इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसे संबंधित सहायक एवं लिपिक द्वारा विविहित को ध्यान में रखते हुये संबंधित प्रकरण को नियमानुसार नोट शीट पर किस रूप में प्रस्तुत किया गया है। अपने वक्तव्य को रोचक एवं संवादात्मक बनाते हुये उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का दैनन्दिन कार्यालयीन कामकाज से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से निराकरण किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। कार्यशाला



में शुभम साहू, अनस खान, अमन जैन, निशांत सोनी, आदित्य बरमैया, अमित कनौजिया, ब्रजेश साहू, मंजु जैन, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, अभिनव अग्निहोत्री, सचिन पट्टा, अंकित जैन, प्रभाशु तिवारी, आकाश दुबे, प्रवीण साहू, ओम सेनी, आदित्य तिवारी, आयुष सोनी एवं साकेत दुबे सहित विवि के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों

में कार्यरत 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया विशेष सहयोग विनोद रजक एवं सूचना वैज्ञानिक दयानंदप्पा कोरी का रहा। कार्यशाला के प्रतिभागिता प्रमाण पत्र का वितरण तथा हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा 25 सितम्बर को अपराह्न 01. 45 बजे से रंगनाथन भवन केन्द्रीय पुस्तकालय में आयोजित पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में की जायेगी। जिसमें विजयी प्रतिभागियों को कुलपति एवं मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जायेगा। राजभाषा अधिकारी ने बताया कि समापन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी तथा मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं समाजसेवी शोभा पैठणकर उपस्थित रहेंगी।

25/09/2024



राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
 (केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिन्दी दिवस समारोह -2024
हिन्दी पखवाड़ा
 14-25 सितम्बर, 2024

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि

ने राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत दिनांक 24 सितम्बर, 2024 को आयोजित कार्यशाला **'टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार'** में सक्रिय सहभागिता की।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

संतोष सोहगौरा
 राजभाषा अधिकारी (प.) एवं
 संयुक्त कुलसचिव

